भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-29-अगस्त-2020

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है. इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

संलग्नक: उपरोक्त

(-/sd)

सहायक निदेशक

उप निदेशक(-/sd)

निदेशक (-/sd)

सेवा में

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

जानकारी हेतु: सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट http://cwc.gov.in/news-clipping पर देखें

द्वितीय तल (दक्षिण), सेवा भवन
राम कृष्ण पुरम, नई दिल्ली -110066
दूरभाष: 011-29583270,
ई मेल: wsedte-cwc@gov.in

2nd Floor(South), Sewa Bhawan,
R.K. Puram, New Delhi-110066
Tel: 011-29583270,
E-mail: wsedte-cwc@gov.in

Hindustan Times 29-August-2020

Hindustan Times

India's August rain highest in 44 years with 25% excess

Jayashree Nandi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: India this year has recorded the rainiest August in 44 years, data from IMD shows, filling up agricultural reservoirs and recharging groundwater across large parts of the country in what could help the prospects of farmers for the next cropping season.

There was an overall 25% excess rain in August across India, a level not seen since 1976 when the country received 28.4% more rain than is usual for this time of the year.

Districts in central India, the southern peninsula and in the west are now in severely or extremely wet categories, as measured by the standard precipitation index (SPI) for the cumulative monsoon period since June 1.

A waterlogged road near ITO in Delhi. >>P2 SONU MEHTA/HT

"More wet districts are a sign that it's a good year for agriculture and groundwater recharge. The rainwater harvesting potential is also huge for these districts," said Pulak Guhathakurta, head, climate application and user interface, climate research and services at IMD Pune. Overall monsoon rain this year is 8% excess so far. >>P7

Hindustan Times 29-August-2020

Hindustan Times

As rainfall returns, so do flooding, snarls

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: After a hot and humid week, overcast skies gave way to a downpour across the national capital on Friday. The spell of rain that lasted almost three hours resulted in several arterial roads being waterlogged, causing snarls at many places.

The Delhi traffic police said severe congestion was reported from Ashram intersection, Delhi-Noida-Direct Flyway (DND), Noida Link Road, Vikas Marg, India Gate roundabout, and Connaught Place Outer Circle, among others.

The India Meteorological Department (IMD) had issued an 'Orange' alert on Friday morning for Delhi-NCR warning of 'light to moderate' rain and thundershowers.

The Safdarjung observatory, considered representative of Delhi's weather, recorded 23.2mm of rain in the 'moderate' category. Delhi Ridge weather station recorded 44mm rain while Palam and Lodhi Road stations got 35.8 mm and 23.6 mm rainfall, respectively. Aya Nagar station, however, recorded only 'traces' of rainfall.

Cars stuck in a water-logged road at Anand Parbat on Friday. SANCHIT KHANNA/HT

"Delhi received moderate rainfall, as the monsoon trough is passing over the city. Over the next two days, 'light' to 'very light' rain may occur, as the trough will be moving southwards. On September 1 and 2, another spell of moderate rain is expected in Delhi, as the trough is expected to move towards the north by then," said Kuldeep Srivastava, head, regional weather forecasting centre, said.

He added that there was a forecast of light rain over the past week, but the monsoon trough had moved towards the Himalayan foothills because of which there was no rain in Delhi. On August 20 and 21, Delhi had received 'heavy' to 'very heavy' rainfall.

Residential areas like GK-II, Green Park and Saket saw massive water logging with vehicles struggling to wade through knee-deep water on several stretches. Residents dialed the local municipal offices to pump out the water.

Sanjay Rana, president, GK-II Welfare Association, said there was literally a river flowing outside Savitri Cinema while it was raining. "This is the scenario every time there's good rainfall. The sewerage system is too old and overflows even with little rain. The sewer lines had to be re-laid, but the process has not started so far," said Rana.

Malvika Gupta, a resident of Saket D-block, said there was almost knee-deep water in the colony. "It happens every monsoon. It is such a nightmare for residents," said Gupta.

Commuters were stuck on the road for hours as traffic crawled on waterlogged roads.

Aarti Arora, a commuter, said it took her more than an hour and a half to reach Ashram Chowk from DND Flyway. "There was a long queue on the DND and they were moving at a snail's pace. It was the same at Ashram Chowk too," she said.

The rain, coupled with Haryana releasing extra water into the Hathinikund barrage led to a surge in the Yamuna river's level. By 4pm Friday, the water level in the Yamuna at Delhi's Old Railway Bridge was at 204.41 metres, close to the warning level of 204.50 metres.

The Pioneer 29-August-2020

झमाझम बारिश के बाद सड़कों पर सैलाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को हुई बारिश के बाद लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। भारी बारिश के बाद सड़कों का हाल बेहाल हो गया है। जगह-जगह जलभराव के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। जनपथ और मिंटो ब्रिज समेत कई जगह सड़कें पानी से लबालब हो गई हैं।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बारिश का यह सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इससे तापमान में और गिरावट आएगी। मौसम वैज्ञानिकों ने आकाश में बादल छाए रहने और मध्यम बारिश की संभावना जाहिर की है। विभाग के मुताबिक राजधानी में अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। आर्द्रता का स्तर 77 फीसदी दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने आकाश में बादल छाए रहने और शाम तक मध्यम बारिश की संभावना जाहिर की है।

फोटो : रंजन डिमरी

● दिल्ली में यमुना का जल स्तर शुक्रवार सुबह 204.30 मीटर तक पहुंचा

यमुना का जलस्तर चेतावनी के निशान के पास पहुंचा

दिल्ली में यमुना का जल स्तर शुक्रवार सुबह 204.30 मीटर तक पहुंच गया, जो चेतावनी के निशान 204.50 मीटर के काफी करीब है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के एक अधिकारी के अनुसार पुराने रेल पुल पर सुबह नौ बजे जलस्तर 204.30 मीटर था। बृहस्पतिवार सुबह 10 बजे यह 203.77 मीटर पर था।

उन्होंने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से मंगलवार को और पानी छोड़े जाने की वजह से जल स्तर बढ़ गया। मंगलवार शाम पांच बजे प्रवाह दर 36,557 क्यूसेक थी। पिछले तीन दिनों में यह सर्वाधिक है।

बैराज से पानी राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने में आमतौर पर दो से तीन दिन लगते हैं। इससे ही दिल्ली को पेयजल मिलता है। हथिनीकुंड बैराज से शुक्रवार सुबह आठ बजे 11, 055 क्यूसेक की दर से पानी यमुना में छोड़ा गया। गत दो दिनों में प्रवाह दर 10,000 क्यूसेक से 25,000 क्यूसेक के बीच रही है, जो कि बहुत अधिक नहीं है। इसलिए, नदी के जलस्तर के नीचे आने की संभावना है।

एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकंड के बराबर होता है। नदी का जलस्तर सोमवार को 204.38 मीटर था, जो कि खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे है। निचले इलाकों में पानी भरने के बाद दिल्ली सरकार ने बचाव और राहत अभियान शुरू किया था। वहीं 1978 में यह नदी अब तक के रिकॉर्ड जलस्तर 207.49 तक पहुंच गई थी। इसके बाद 2013 में जलस्तर 207.32 मीटर दर्ज किया गया।

नदी का जलस्तर अभी तक सबसे अधिक 1978 में 207.49 मीटर पर पहुंचा है। वर्ष 2013 में यह 207.32 मीटर पर पहुंच गया था।

उप्र में 18 जिलों के 830 गांव बाढ़ प्रभावित

भाषा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ, लेकिन अब भी राज्य के 18 जिलों के 830 गांव इससे प्रभावित हैं। प्रदेश के राहत आयुक्त संजय गोयल ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है और 18 जिलों के 830 गांव बाढ़ प्रभावित हैं। इनमें से 477 गांव पूरी तरह बाढ़ से घिर गए हैं।

बृहस्पतिवार को राज्य के 17 जिलों के 883 से ज्यादा गांव बाढ़ से प्रभावित थे और 562 पूरी तरह बाढ़ से घिरे थे। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित जिलों में अंबेडकरनगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, देवरिया, फूंखाबाद, गोंडा, गोरखपुर, कासगंज, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, मऊ शाहजहांपुर, संतकबीर नगर और सीतापुर शामिल हैं। गोयल ने बताया कि पलियां कला लखीमपुर-खीरी में शारदा नदी, श्रावस्ती में राप्ती नदी, अयोध्या में सरयू नदी और बलिया में तुर्तीपार का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चल रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नदियों के जलस्तर की निगरानी की रखी जाए तथा आसपास के गांवों में पानी भरने के पूर्व ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाए।

प. यूपी में कई जगह हुई मूसलाधार बारिश

लखनऊ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि सबसे अधिक 11 सेंटीमीटर बारिश बरेली में हुई। जलेसर और एटा में पांच-पांच सेंटीमीटर, अतरौली-अलीगढ़ में चार, कार्वी-चित्रकूट, महरौनी ललितपुर, बरेली में तीन-तीन, फतेहपुर-बाराबंकी, अर्तावांदा, चुर्क सोनभद्र, चुनार-मिर्जापुर, कासगंज और झांसी में दो-दो सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। विभाग ने बताया कि राज्य में सबसे अधिक 36 डिग्री सेल्सियस तापमान बस्ती में दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के बारे में अनुमान लगाया है कि प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही क्षेत्रों में कुछ जगहों पर चमक और गरज के साथ बारिश हो सकती है।

The Pioneer 29-August-2020

No impact of virus, rain on Kharif plantation

PNS ■ NEW DELHI

Despite coronavirus pandemic and incessant rainfall, farmers have sowed kharif crop in an area of 1082.22 lakh hectare which is more than the 1009.98 lakh hactare of the corresponding period of last year. There has also been a substantial increase in planting of paddy in many States that received bountiful rains so far. This is despite dozens of States reeling under floods.

According to the India Meteorological Department's (IMD) latest forecast, India witnessed 9 percent more rainfall so far this monsoon season. It has received749.6 mm rainfall as against the normal of 689.4 mm.

As per the Ministry of Agriculture's data released on Friday, the kharif crops areas acreage went by 7.15 percent so far while kharif plantation is still going on in several parts of the country.

The data showed that the total area under paddy so far is 389.81 lakh hectares, nearly 35.40 lakh hectare more than the 354.41lakh hectares covered in the same week last year.

There has been a substantial increase in planting of paddy in many States like Telangana, which has sown paddy over an additional 10.06 lakh hectare, Madhya Pradesh (5.23 lakh hectare), Bihar (5.22 lakh hectare) and Jharkhand (5.05 lakh hectare). Among the other States that have planted paddy in more area are West Bengal (4.48 lakh hectares), Odisha (3.16 lakh hectares) and Karnataka (2.18 lakh hectares) compared to same period last year.

Surprisingly, the paddy area in Punjab has come down by 1.78 lakh hectares from the last kharif season. Punjab, Nagaland, Tripura and Jammu and Kashmir reported less plantation.

As far pulses are concerned, there is nearly 134.57 lakh ha area coverage under pulses as compared to 128.65 lakh hectare during the corresponding period of last year.

Thus 5.91 lakh ha more area has been covered compared to last year.

Deccan Chronicle 29-August-2020

Centre backs AP, no need of green nod for Seema dam

Affirms it is not a new project involving additional cultivable area

D. SIVA RAMI REDDI | DC
KURNOOL, AUG. 28

TELANGANA STATE had advanced arguments on Friday, contesting the claims of the AP government, filed a 110-page affidavit of objections before the NGT bench.

Affirming the stand taken by the AP government, the Centre on Friday made it clear that the proposed Rayalaseema lift irrigation scheme (RLIS) does not require environmental clearance because it is not a new project and does not involve any addition to the cultivable command area (CCA).

In an affidavit filed before the National Green Tribunal (NGT) bench at Chennai, Dr Sunamani Kerketta, director, Union ministry of environment, forest and climate change, said that the RLIS does not fall under any category listed in the schedule of EIA Notification 2006. She said the RLIS is neither an irrigation project nor is a power generation component involved. Therefore, it is not covered under item 1(c) of the EIA Notification.

This stand is expected to put to rest the contentions of the Telangana state government as it vindicates the stand of the AP government that the RLIS is not a new project. Telangana state had advanced arguments on Friday, contesting the claims of the AP government, filed a 110-page affidavit of objections before the NGT bench.

Dr Sunamani stated that the RLIS does not come under the category of expansion and modernisation of existing projects as there is no such activity in respect of either power generation or irrigation.

The Centre's affidavit stated the environmental clearance had been taken by the AP government for the three schemes — Telugu Ganga, Srisailam Right Bank Canal and Galeru Nagari — to which the project will be supplying water.

Dr Sunamani stated that the environment clearance for the Telugu Ganga project and the Srisailam Right Bank Canal was granted prior to the Environment Impact Assessment Notification, 1994. The Galeru Nagari Sujala Sravanthi was granted under the notification in 1994 and its capacity is stated as 38 tmc ft. These three schemes were constructed at different times and have got environmental clearances separately from the Union environment ministry, she said.

A review of the EC conditions revealed that changing the RLIS from gravity discharge to pumping should not be considered as change in scope as the environmental clearance does not restrict the schemes to gravity discharge, the Centre said.

The TS government asked the NGT to ignore the report of the joint committee dated August 8, 2020, and consider the objection filed by the state or alternatively call for a fresh report and give an opportunity to the state to participate before the joint committee.

Dr Rajat Kumar, TS principal secretary, irrigation and water department, in his objection affidavit urged the NGT to declare the action of the AP government initiating work on the RLIS without obtaining environment clearance as illegal under the provisions of the Environment Protection Act and Water Prevention and Control of Pollution Act, 1974.

He sought a direction to the Centre to conduct a detailed study on the adverse effects on the Krishna river flora and fauna, livelihood of people in Telangana state and downstream of Srisailam project due to the RLIS.

AP stated that its submissions to the objections filed by TS be recorded by the NGT on the report of joint committee dated August 8 and pass suitable orders.

The Statesman 29-August-2020

Odisha: Floods in Mahanadi system likely in next 36 hours

Situation improves in Brahmani, Baitarani, Budhabalanga systems

STATESMAN NEWS SERVICE
BHUBANESWAR, 28 AUGUST

Even as Baitarani, Brahmani, Budhabalanga river systems showed a receding trend leaving several villages of Jajpur, Bhadrak, Balasore and Mayurbhanj district marooned, another flood in the Mahanadi system is expected to inundate coastal districts in the next 36 hours.

The administration which is already hard pressed with pandemic related work has switched gear to tackling the floods.

Special Relief Commissioner P K Jena informed that the river waters that flooded Jajpur, Bhadrak, Balasore and Mayurbhanj district were receding and flowing below their respective danger levels today.

But heavy rains in the upper catchment of Mahanadi (Chhattisgarh) as well as the rivers in the lower end of the river will cause a medium flood with a maximum of 10.50 lakh cusecs flowing at Mundali.

District administration of Cuttack, Puri, Jagatsinghpur, Nayagarh, Khurda have been alerted. NDRF and ODRAF teams have been positioned for rescue and relief operations.

Chief secretary Asit Tripathy and other senior officers.

A report from Sambalpur quoting Hirakud dam sources said as per the rule curve, the water level on 28 August is to be between 616 to 623 ft. But heavy downpour in Chhattisgarh had increased inflow and the water level is 625.6 ft, said Bhakta Ranjan Mohanty, the superintendent engineer of the Hirakud dam project. As per the rainfall data, the inflow is 6.58 lakh cuses against the outflow of 6.20 lakh causes. As it seems both are almost equal. The inflow is expected to increase to 7.5 lakh to 8.00 lakh cusec.

The welcome sign is that rain in Chhattisgarh has stopped.

There is no cause of concern as a major flood will not take place said Mohanty. Reports from Jajpur district said the flood situation remains grim with all 10 blocks affected as Brahmani and Kharasrota rivers in spate.

Water level in river Baitarani has been receding since this morning, informed Collector Ranjan Kumar Das.

One person has died in a wall collapse. Breaches in embankments of Baitarani, Brahmani and Kharasrota rivers were reported at 14 places thereby causing extensive damage.

Over two lakh people of Jajpur, Binjharpur, Dasarathpur, Bari, Rasulpur, Korei, and Dharmasala blocks in the district are marooned.

The collector said free kitchens have been opened for the affected people in marooned areas and relief is being provided in some places.

"By now we have evacuated around 2,500 people to safer places" he said.

Two teams each from the National Disaster Response Force (NDRF), Odisha Disaster Rapid Action Force (ODRAF) and Fire Service have been deployed in rescue and relief operations in different places in the district.

Baitarani caused havoc in Bhadrak district disconnecting it from Jajpur district. More than 120 villages are marooned. Dharmnagar and Bhandaripokhari block is worst affected while Tihidi and Chandabali blocks are partially affected. Over 39,000 hectares of cultivated land remains submerged and 1500 houses damaged. Balasore witnessed the fury of the Jalaka river as it gushed into low lying areas.

There were reports from Dhenkanal and Jagatsinghpur districts of rainwater inundation. In Dhenkanal rain water had marooned two villages of Gondia block. The district collector was himself on a boat distributing relief to the affected people.

The news of impending flood in the Mahanadi system caused panic among people of Jagatsinghpur district. In many areas like Raghunathpur, Tirtol etc rain water logging has already put people in distress and the fear that it has weakened the embankments.

Asian Age 29-August-2020

Heavy rain leads to traffic snarls, waterlogging in city

Yamuna level swells further after downpour

AGE CORRESPONDENT
with agency inputs
NEW DELHI, AUG. 28

THE WATER level of the Yamuna in Delhi rose to 204.41 metres on Friday, precariously close to the warning mark of 204.50 metres following heavy rains

Heavy rains in Delhi on Friday led to waterlogging in several parts of the city, according to municipal reports. In north Delhi, waterlogging took place at seven different locations in areas, including Karala, Burari and Prem Nagar.

Trees fell at four different locations, according to a monsoon report released by the North Delhi Municipal Corporation.

In south Delhi and east Delhi too, waterlogging occurred in several areas.

In areas falling under the South Delhi Municipal Corporation, water stagnation was recorded at Devli Extension, Nizamuddin West Market, among other places, the SDMC report said.

Falling of trees was reported from seven different locations, including Madangir, Maharani Bagh and Saket Court area.

Meanwhile, the water level of the Yamuna in Delhi rose to 204.41 metres on Friday, precariously close to the warning mark of 204.50 metres following heavy rains, officials said.

The water level rose because of rains in Delhi and neighbouring areas, he said.

"The water level was recorded at 204.41 metres at the Old Railway Bridge at 5 pm. It was 204.30 metres at 9 am on Friday morning and 203.77 metres at 10 am on Thursday," an official of the Irrigation and Flood Control department said.

Besides, more water was released from the Hathnikund barrage on Tuesday. The flow rate was 36,557 cusec at 5 pm on Tuesday, the highest in the last three days, he said.

The water discharged from the barrage — which provides drinking water to Delhi — normally takes two-three days to reach the capital.

Water was being released into the Yamuna at the rate of 13,871 cusec cusec at 4 pm on Friday.

"The flow rate has remained between 10,000 cusec to 25,000 cusec over the last two days, which is not very high," the official said.

One cusec is equivalent to 28.32 litre per second.

However, the water level may rise further if rains continue in the catchment areas, the official said.

The river had swelled to 204.38 metres on Monday, which was just a metre below the danger mark of 205.33 metres.

Normally, the flow rate at the Hathnikund barrage is 352 cusec, but the discharge is increased after heavy rainfall in catchment areas. Last year, the flow rate had peaked to 8.28 lakh cusec on August 18-19, and the water level of the Yamuna had hit the 206.60 metre-mark, breaching the danger mark of 205.33 metres.

The Delhi government had to launch evacuation and relief operations after the overflowing river submerged many low-lying areas.

Asian Age 29-August-2020

People with their belongings move across the flood-affected area after the water level rises in Bhargavi river following heavy rainfall at Balakati in Khordha, Odisha, on Friday. — PTI

Millennium Post 29-August-2020

Two die in rain-related incidents in Odisha; flood situation better in UP

IMD has issued a red alert for extremely heavy rainfall in six districts of Madhya Pradesh

OUR CORRESPONDENT

People with their belongings move across the flood-affected area after the water level rises in Bhargavi river following heavy rainfall, at Balakati in Khordha, Odisha, on Friday

NEW DELHI: Incessant rains claimed two more lives in Odisha on Friday while the IMD issued a red alert for extremely heavy rainfall in six districts of Madhya Pradesh.

The flood situation in Uttar Pradesh improved further as the number of affected villages came down even as one more district was declared flood-hit, while Jammu and Kashmir Lieutenant Governor Manoj Sinha toured Srinagar to assess flood preparations following torrential rains.

In Odisha, fear of flood looms large in the Mahanadi river system following heavy rainfall in its upper catchment areas in Chhatisgarh and a rise in the water level of Hirakud Dam even as two more people died in rain-related incidents in the state, raising the death toll to nine. Forty of the 64 sluice gates of the Hirakud Dam, built across the Mahanadi near Sambalpur in Odisha, were opened by the authorities on Friday to discharge excess water.

The flood in the Mahanadi river system is likely to affect coastal districts like Puri, Khurda, Cuttack, Jagatsinghpur and Nayagarh districts. Many other rivers are in spate submerging low-lying areas and snapping road connectivity.

Meanwhile, the intensity of rainfall has subsided considerably in the state since Thursday. Formation of a low pressure area over the Bay of Bengal had triggered heavy downpour in Odisha since Monday.

However, in Madhya Pradesh, a red alert stating extremely heavy rainfall was likely in six districts of the state was issued by the India Meteorological Department (IMD) amid incessant downpour that continued to lash large parts of the state on Friday.

The red alert was issued for isolated places in Narsinghpur, Chhindwara, Seoni, Balaghat, Betul and Hoshangabad districts.

Apart from this, the IMD issued an orange alert predicting very heavy rainfall, thunderstorm and lightning at isolated places of 10 districts, including Jabalpur and districts of Sagar division.

Moreover, a yellow alert forecast of heavy rainfall, thunderstorm and lightning has been issued for a few places in nine districts including Bhopal and Gwalior. All three alerts are valid till Saturday morning.

The IMD issues colour-coded warnings depending on the intensity of any weather system in ascending order green, yellow, orange and red.

While the flood situation in Uttar Pradesh improved further on Friday, parts of the state received light to moderate rainfall with the IMD forecasting more showers on Saturday.

"There are 18 districts affected by flood. In these districts 830 villages are flood affected and 477 are marooned," Relief Commissiosner, Sanjay Goel told reporters.

Till Thursday, there were 17 flood-hit districts, where 893 villages were affected, of which 562 were marooned.

The relief commissioner said the Sharda river at Palia Kalan in Lakhimpur Kheri, Rapti river in Shravasti and the Saryu Ayodhya and Turtipar in Ballia were flowing above the danger mark.

According to the Met office forecast, thunderstorm accompanied by lightning is very likely at isolated places over eastern part of the state, while rain/thundershower is very likely at many places over western Uttar Pradesh on Saturday.

Meanwhile, Jammu and Kashmir Lieutenant Governor Manoj Sinha conducted a whirlwind tour of Srinagar city to assess the flood preparations and emergency response mechanism being put in place to deal with any eventuality that may arise out of torrential rains.

During his tour, the Lt governor visited Zero Bridge, Munshi Bagh gauge, flood control rooms of irrigation and flood control near wooden bridge, emergency operation centre at Hari Niwas and took a first-hand appraisal of the situation, he said. Srinagar has been witnessing torrential rains over the past few days.

Some parts of Haryana and Punjab too received rain on Friday as the maximum temperature in both the states hovered around normal limits.

Chandigarh, the common capital of both states, recorded a high of 32 degrees Celsius after light rain lashed the city.

File No.T-74074/10/2019-WSE DTE

Telangana Today 29-August-2020

Water from Lower Manair Dam was released downstream through Kakatiya canal on Friday. About 2,800 cusecs of water is being discharged to fill up tanks, ponds and other water bodies to cater to the irrigation needs of farmers.

Telangana Today 29-August-2020

Telangana Today

Foundation laid for YSR Vedadri project

The project will irrigate 38,627 acres in Krishna district

Foundation stone for YSR Vedadri lift scheme being laid by Andhra Pradesh Chief Minister YS Jagan Mohan Reddy through video conferencing, in Amaravati on Friday. — Photo: IANS

AMARAVATI

Andhra Pradesh Chief Minister YS Jaganmohan Reddy inaugurated work on the YSR Vedadri Lift Irrigation Scheme at Vedadri village in Jaggaiahpet Mandal, Krishna district.

The Chief Minister inaugurated the pylon with a remote from his camp office. The government plans to complete the project within 18 months. The project will provide irrigation water to 38,627 acres spread over 28 villages of the district.

Reddy said, "Areas in Nandigama, Vatsavai, Penuganchiprolu and Jaggaiahpet mandals of Krishna district have been suffering due to lack of drinking and irrigation water, after bifurcation of the State, though they are close to river Krishna." "The previous TDP government did not care for this project though it was in power for full 5 years. But we have laid foundation for this project within 14 months of our coming to power. We aim to complete construction of this project by February 2021. This project will provide 2.7 TMC of water to this region. The government will spend Rs 490 crore for this lift irrigation scheme," he added.

Meanwhile, Andhra Irrigation and Water Resources Minister P Anil Kumar laid the foundation for the lift irrigation scheme at Vedadri village. Ministers Kodali Sri Venkateswara Rao (Kodali Nani), Perni Venkatramaiah (Perni Nani) local MLA and Govt Whip Samineni Udayabhanu also participated in the programme. ANI

Rajasthan Patrika 29-August-2020

जल संसाधन विभाग को मिले दो अवार्ड

जयपुर @ पत्रिका. जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में शुक्रवार को इलेटस टेक्नोमीडिया की ओर से इलेटस नेशनल वाटर इनोवेशन समिट का आयोजन किया गया।

जिसमें जल शक्ति और जल संसाधन मंत्रालय के सचिव उपेन्द्र सिंह ने राज्य के जल संसाधन विभाग और इंदिरा गांधी नहर मंडल को दो अवार्ड दिए। अवार्ड जल संसाधन विभाग के सचिव नवीन महाजन को ऑनलाइन ही प्रदान किए गए। जल संसाधन विभाग को कुशल जल परिवहन और वितरण श्रेणी में सर्वश्रेष्ट टेक्नोलॉजी और इंदिरा गांधी नगर मंडल को राष्ट्रीय वाटर इनोवेशन अवार्ड दिए गए।

Rashtriya Sahara 29-August-2020

सच हुई मौसम पर भविष्यवाणी जमकर बरसा पानी

नई दिल्ली (एसएनबी) । लगातार फेल हो रही मौसम विभाग की भविष्यवाणी शुक्रवार को सच हुई और दिल्ली में जमकर वारिश हुई। वारिश के वाद यहां का मौसम सुहाना हो गया। अलग अलग इलाकों में किस्तों में हुई वारिश का औसत आंकड़ा 23.2 मिलीमीटर रहा। जवकि इस दौरान सवसे ज्यादा रिज एरिया में 44 मिलीमीटर वारिश रिकॉर्ड की गई। वारिश से अधिकतम तापमान औसत से दो डिग्री सेल्सियस नीचे गिरकर 32.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान औसत से एक डिग्री ऊपर चढ़कर 26.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में शुनिवार को यहां के तापमान के 34 और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास वने रहने की संभावना जताई है।

> कुछ मिनटों की बारिश से ही सड़कों से लेकर गलियों तक मे भर गया पानी
>
> दिन में हो गया था अंधेरा

शुक्रवार सुवह से ही अलग अलग इलाके में अलग अलग समय मे वारिश हुई। दोपहर को पूर्वी दिल्ली में तेज वारिश होनी शुरू हो गई और दिन में अंधेरा छा गया। आसमान में छाए काले वादल जमकर वारिश। मूसलाधार वारिश से सड़कों से लेकर मोहल्लों की गलियों तक में पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार पालम इलाके में आज दिन में 35.8 मिलीमीटर, लोधी रोड में 23.6 मिलीमीटर, रिज में 44 मिलीमीटर और नजफगढ़ में एक मिलीमीटर वारिश हुई। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कल भी कुछ एक इलाकों में कहीं हल्की तो कहीं तेज वारिश हो सकती है।

जाम से लोग हुए परेशान

नई दिल्ली (एसएनबी)। राजधानी मे शुक्रवार दिन मे हुई जमकर हुई वारिश के चलते सड़कों पर जलभराव कई जगह ट्रैफिक जाम हो गया। इन वजह से लोग अपनी मंजिल तक समय पर नहीं पहुंच सके। यातायात पुलिस को कई जगह ट्रैफिक को डाइवर्ट करना पड़ा तो कुछ जगह रास्ता कुछ देर के लिए वंद करना पड़ा। वारिश से काली वाड़ी मार्ग, वाराखंभा रोड,माल रोड, खैवर पास, रिंग रोड मजनूं का टीला,सावित्री सिनेमा, पीपल चौक,आईपी फ्लाईओवर, एमवी रोड,मुकुंदपुर आजादपुर में यातायात प्रभावित हुआ। उधर पूर्वी दिल्ली में सोनिया विहार भजनपुरा खजूरी खास, दिलशाद गार्डन यमुना विहार नंद नगरी रामनगर गोकुलपुरी रशीद मार्केट फ्रेंड्स कॉलोनी झिलमिल अंडरपास कृष्ण नगर दामोदर पार्क, विनोद नगर लक्ष्मी नगर, दक्षिणी दिल्ली के देवली एक्सटेंशन मदन गिरी साकेत कोर्ट ग्रेटर कैलाश निजामुद्दीन मायापुरी फेस टू शिवाजी पार्क आदि क्षेत्रों जलभराव की शिकायतें मिली है। वहीं उत्तरी निगम के राम विहार लक्ष्मी विहार वुरारी नेहरू विहार व प्रेम नगर में पानी भरने के साथ पेड़ गिरने की शिकायतें मिली है।

Jansatta 29-August-2020

दिल्ली व पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित कई जगह मूसलाधार

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल, 28 अगस्त (भाषा)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में शुक्रवार को मूसलाधार बारिश हुई। दिल्ली में बारिश के बाद लोगों को उमस भरे मौसम से राहत मिली लेकिन कई स्थानों पर लोगों को यातायात जाम और जलजमाव जैसी समस्याओं का सामना भी करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार सुबह आठ बजकर 30 मिनट से शाम पांच बजकर 30 मिनट के बीच सफदरजंग वेधशाला ने 23.2 मिमी बारिश दर्ज की, वहीं पालम में 35.8 मिमी बारिश दर्ज हुई। इस अवधि में लोधी रोड और रिज क्षेत्र में क्रमशः 23.6 मिमी और 44 मिमी बारिश हुई।

शहर में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो औसत तापमान से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने शनिवार को हल्की बारिश की संभावना जाहिर की है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश हुई। मौसम विभाग ने बताया कि सबसे अधिक 11 सेंटीमीटर बारिश बरेली में हुई। जलेसर और एटा में पांच-पांच सेंटीमीटर, अतरौली-अलीगढ़ में चार, कार्वी-चित्रकूट, महरौनी-ललितपुर, बरेली में तीन-तीन, फतेहपुर-बाराबंकी, अतर्रा-बांदा, चुर्क-सोनभद्र, चुनार-मिर्जापुर, कासगंज और झांसी में दो-दो सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। विभाग ने बताया कि राज्य में सबसे अधिक 36 डिग्री सेल्सियस तापमान बस्ती में दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के बारे में अनुमान लगाया है कि प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों ही क्षेत्रों में कुछ जगहों पर चमक और गरज के साथ बारिश हो सकती है।

उधर, मौसम विभाग ने शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन कहा कि मध्य प्रदेश के छह जिलों नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, होशंगाबाद और टीकमगढ़ में अगले 24 घंटे में बहुत अधिक भारी वर्षा हो सकती है। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार इन छह जिलों में शनिवार सुबह तक कहीं-कहीं पर अत्यधिक भारी वर्षा के साथ बिजली चमकने व गिरने की संभावना है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने प्रदेश के सागर संभाग तथा 10 अन्य जिलों-कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, मण्डला, विदिशा, रायसेन, सीहोर, हरदा, धार, देवास एवं श्योपुर में अगले 24 घंटों में कहीं-कहीं पर अति भारी वर्षा तथा गरज-चमक के साथ बिजली चमकने व गिरने की चेतावनी भी दी है।

पिछले 24 घंटों में नरसिंहपुर में 30 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि बेगमगंज में 19 सेंटीमीटर, उदयपुरा में 16 सेंटीमीटर एवं गैरतगंज में 15 सेंटीमीटर बारिश हुई। नरसिंहपुर में शुक्रवार शाम पांच बजे तक पिछले 33 घंटों में 35.3 सेंटमीटर वर्षा हुई।

मौसम विभाग के भोपाल केंद्र के एसएन साहू ने बताया कि शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे से आज शाम साढ़े पांच बजे तक छिंदवाड़ा एवं बैतूल में 95-95 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में इस मानसून में दो जिलों छतरपुर एवं मंदसौर को छोड़कर सभी जिलों में अब तक सामान्य से अधिक वर्षा हुई है।

Jansatta 29-August-2020

जलवायु कार्रवाई में वैश्विक नेतृत्व के शीर्ष पर रहे भारत : गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र, 28 अगस्त (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भारत से स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु कार्रवाई में महत्वाकांक्षी वैश्विक नेतृत्व के शीर्ष पर रहने का शुक्रवार को आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत अगर जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता को तेजी से घटाकर इसे नवीकरणीय ऊर्जा पर ले आए तो वह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जंग में 'असल वैश्विक महाशक्ति' बन सकता है। महासचिव ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी और जलवायु परिवर्तन दोनों ने इस बारे में बुनियादी सवाल उठाए हैं कि दुनियाभर के लोगों के लिए आरोग्य एवं कुशलता कैसे सुनिश्चित की जाए तथा साझा बेहतरी को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रों को किस प्रकार सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा लोग खास तौर पर स्थिरता, समानता एवं सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदमों की आस लगाए हुए हैं।

> "इस महत्वपूर्ण क्षण में, जब संयुक्त राष्ट्र अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, भारत की भूमिका अहम है।

गुतारेस ने 'द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट' (टेरी) द्वारा शुक्रवार को ऑनलाइन आयोजित 19वें 'दरबारी सेठ स्मृति व्याख्यान' में कहा कि आज स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु कार्रवाई पर निर्भीक नेतृत्व की जरूरत है। मैं भारत का आह्वान करता हूं कि वह महत्वाकांक्षी नेतृत्व के शीर्ष पर रहे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अध्यक्ष के तौर पर भाषण दिया। गुतारेस ने कहा कि इस महत्वपूर्ण क्षण में, जब संयुक्त राष्ट्र अपनी 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, भारत की भूमिका अहम है। 'द राइज ऑफ रिनूअबल्स : शाइनिंग ए लाइट ऑन सस्टेनेबल फ्यूचर' शीर्षक से अपनी टिप्पणी में गुतारेस ने कहा कि भारत अगर जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम कर नवीकरणीय ऊर्जा पर तेजी से आ जाए तो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ जंग में वह वास्तिव वैश्विक महाशक्ति बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि वह इस बात को जानकर उत्साहित हैं कि वैश्विक महामारी के दौरान, भारत का नवीकरणीय ऊर्जा का अनुपात 17 प्रतिशत से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गया जबकि कोयला पर बिजली निर्भरता 76 प्रतिशत से घटकर 66 प्रतिशत हो गई।

उन्होंने कहा कि यह अच्छी चीज है जिसे जारी रखने की जरूरत है। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने की जरूरत है, और कोयला को पूरी तरह हटाना होगा।

Haribhoomi 29-August-2020

जगह-जगह खराब हुए वाहन, ट्रैफिक पुलिस को करना पड़ा कई स्थानों पर रुट डायवर्ट

बारिश से फिर जलमग्न हुई दिल्ली, लगा रहा जाम

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली

फोटो : छत्र सिंह

दिल्ली में शुक्रवार को हुई अच्छी बारिश से जहां लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली और तापमान में गिरावट दर्ज हुई। वहीं दूसरी तरफ कई जगह जलभराव होने से जाम जैसे हालात बन गए। वाहन रेंगने पर मजबूर हुए जिससे सड़कों पर लंबी कतारें देखने को मिली, कई जगह अंडरपास के नीचे पानी भर गया।

ओखला इलाके की कैप्टन सिंह मार्ग ओखला मंडी की सड़कों पर बारिश के बाद जलभराव हो गया. जिसकी वजह से ट्रैफिक पुलिस को रुट डायवर्ट करना पड़ा। नजफगढ़ इलाके में भीषण जलभराव से समस्या उत्पन्न हो गई। आजादपुर, अशोक विहार से वजीरपुर शालीमार बाग की तरफ जाने वाली सड़क लबालब भर गई। आजादपुर पुल के नीचे, लाल बाग, जहांगीरपुरी-राजस्थानी उद्योग नगर मुख्य सड़क, सिरसपुर, सीलमपुर, गोकुल पुरी, गंगा विहार, मॉडल टाउन छत्रपाल स्टेडियम के पास सहित कई जगहों पर पानी भर गया।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार सुबह 8.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक रिज एरिया में 44.0 मिमी., पालम में 35.8 मिमी.,लोधी रोड़ 23.6 मिमी. बारिश दर्ज की गई है। विभाग का कहना है कि शनिवार को हल्की बारिश हो सकती है। जबकि आने वाली 3 सितंबर को अच्छी बारिश की संभावनाएं बन रही है। वहीं गुरुवार की तरह ही शुक्रवार की सुबह भी चटक धूप निकली हुई थी, लेकिन दोपहर होते-होते मौसम ने करवट बदली बौर आसमान पर काले बादलों ने डेरा जमा लिया। दिन में अंधेरा छा गया जिसके बाद दिल्ली में बारिश शुरू हो गई। विभाग ने बारिश के बाद दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया औसत तापमान से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं हवा में आर्द्रता का स्तर 77 फीसदी दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को भी दिल्ली में बारिश होने की संभावना है।

18 जगह जलभराव, 10 जगह गिरे पेड़

नई दिल्ली। दिल्ली में जगह जगह हुई बारिश के बाद दिल्ली में 18 जगह जलभराव और 10 जगह पेड़ गिरने की शिकायतें दिल्ली के तीनों नगर निगमों को प्राप्त हुई। बारिश के दौरान भवन गिरने की कोई शिकायत नहीं मिली है। उत्तरी निगम में 7 जगह, दक्षिणी निगम में 2 जगह और पूर्वी निगम में 9 जगह जलभराव की शिकायते मिली। जबकि उत्तरी निगम में 4 जगह और दक्षिणी निगम में 6 जगह पेड़ गिरने की सूचना हैं। उत्तरी निगम के रामा विहार, मजरी गांव, कराला, हरीजन बस्ती कराला, नेहरू विहार, कालीयान विहार, लक्ष्मी विहार बुराड़ी, प्रेम नगर आदि जगह जलभराव हुआ। राजेंद्र नगर, कल्याण विहार, मंगोलपुरी आदि कुछ और इलाकों में पेड़ गिरने की शिकायत मिली।

उत्तरी निगम विद्यालय में छत का गिरा अंदरूनी हिस्सा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भूंकप और मानसून को देखते हुए गत दिनों दिल्ली सरकार ने एडवाइजरी जारी की थी। साथ ही दिल्ली नगर निगम भी जर्जर भवनों को लेकर सचेत करती रही है लेकिन उत्तरी दिल्ली नगर निगम के बवाना क्षेत्र के बरवाला गांव स्थित निगम प्राथमिक सह शिक्षा विद्यालय में एक कक्षा की छत का अंदरूनी हिस्सा गिर गया। संयुक्त अनुसूचित जाति, जनजाति शिक्षक मंच दिल्ली एंड पीएसकेबी शिक्षक यूनियन के संस्थापक व स्थानीय निवासी रामकिशन पूनिया ने बताया कि यह घटना गुरूवार की है। यदि इन दिनों स्कूल खुले हुए होते तो हादसा बड़ा हो सकता था। उन्होंन शिक्षा मंत्री, निगमायुक्त, शिक्षा निदेशक, नरेला जोन उपायुक्त को मामले की जांच के लिए पत्र लिखा है। वहीं, नरेला जोन के चैयरमैन जयेंद्र डबास ने बताया कि उनके संज्ञान में मामले आने के बाद क्षेत्रीय शिक्षा विभाग को जोन के सभी वार्डों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।